BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (31.10.2024)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR,
DATE:31.10.2024, PAGE-08

मछलीपालन सिखाएगा बीआरएबीयू

खास

- विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग की पहल
- फिश एंड फिशरीज का नया सिलेबस हो रहा तैयार

मुंबई और आंध्रप्रदेश भी जाएंगे विवि के विद्यार्थी

मछली उत्पादन और पालन की ट्रेनिंग लेने बीआरएबीयू के छात्र मुंबई, आंध्रप्रदेश, ओडिसा और बंगाल जैसे राज्यों में भी जाएंगे। छात्र वहां से मछलीपालन की ट्रेनिंग लेंगे और उत्तर बिहार के जिलों में जाकर इसके बारे में लोगों को बताएंगे। इससे मछलीपालन में नई तकनीक उत्तर बिहार में आएगी व उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मुजफ्फरपुर, प्रसं। बीआरएबीयू का जंतु विज्ञान विभाग उत्तर बिहार में मछलीपालन और उत्पादन को बढ़ावा देगा। इसके लिए विभाग ने काम शुरू कर दिया है। पहले विभाग के छात्र इस कौशल को सीखेंगे। उसके बाद मछलीपालन से जुड़े लोगों को इसके बारे में बताएंगे। विवि मिट्टी-पानी के हिसाब से मछलीपालन सिखाएगा।

विभागाध्यक्ष प्रो. शिवानंद सिंह और शिक्षक डॉ. ब्रजकिशोर ने बताया कि जंतु विज्ञान विभाग में फिश एंड फिशरीज का नया सिलेबस तैयार किया जा रहा है। उसमें कई नई चीजें प्रस्तावित हैं। नये सिलेबस में छात्रों को प्रशिक्षण से लेकर मछलीपालन तक की जानकारी दी जाएगी। फिश एंड फिशरीज की शिक्षक डॉ. ममता ने बताया कि नये सिलेबस को सीबीसीएस की तरह तैयार किया जा रहा है। फिश एंड फिशरीज में भी अब सेमेस्टर सिस्टम लागू होगा। विभागाध्यक्ष ने बताया कि अगले सत्र से यह सिलेबस विवि में लागू होगा। फिश एंड फिशरीज में सीट बढ़ाने का भी प्रस्ताव है। इस कोर्स में 26 सीट से 40 सीट करने का प्रस्ताव है। छात्रों का दाखिला प्रवेश परीक्षा के माध्यम होगा।

बाढ़ के बचे पानी का होगा इस्तेमाल: विभागाध्यक्ष ने बताया कि उत्तर बिहार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है। बाढ़ को सिर्फ आपदा के रूप में ही नहीं देखना चाहिए। मछलीपालन में बाढ़ के पानी का इस्तेमाल किया जा सकता है। हमारी योजना है कि बाढ़ के बाद कुछ छोटे जलाशयों में पानी रह जाता है। वहां मछलीपालन कैसे किया जाए, इसका रास्ता तलाशा जाए।

छोटी जगहों पर मछलीपालन होने से मछली के उत्पादन में वृद्धि होगी और बाढ़ के बचे हुए पानी का इस्तेमाल भी किया जा सकेगा। डॉ. ब्रजकिशोर ने बताया कि फिश एंड फिशरीज का सिलेबस अखिल भारतीय स्तर का बनाया गया है। बीआरएबीयू से पढ़ा हुआ छात्र देश के किसी भी कोने में जाकर पीएचडी और आगे का कोर्स कर सकता है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Dainik Jagran, Muzaffarpur, Date : 31.10.2024, Page-02

छह जिलों के कालेजों में अर्थशास्त्र के 52 शिक्षक किए गए पदस्थापित

एक दर्जन से अधिक कालेजों में पढ़ाई की समस्या होगी दूर

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कालेजों में विभिन्न विषयों में शिक्षकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। विश्वविद्यालय के छह जिलों के एक दर्जन से अधिक कालेजों में अर्थशास्त्र के 52 असिस्टेंट प्रोफेसर का पदस्थापन किया गया है। विश्वविद्यालय की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। सभी शिक्षक छठ के बाद आवंटित संस्थानों में योगदान देंगे। इसको लेकर रजिस्ट्रार डा. अपराजिता कृष्णा की ओर से अधिसूचना जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि नए शिक्षकों को रजिस्ट्रार कार्यालय में अपने योगदान की रिपोर्ट जमा करनी होगी। इसके लिए उन्हें 15 दिनों का समय दिया गया है। शिक्षक 12 से 15 नवंबर तक योगदान की रिपोर्ट जमा कराएंगे। अगर निर्धारित समय सीमा में शिक्षक अपने योगदान की रिपोर्ट रजिस्ट्रार कार्यालय में उपलब्ध नहीं कराते हैं तो उनकी नियुक्ति को रद कर दिया जाएगा। बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की अनुशंसा के आधार पर विश्वविद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। अर्थशास्त्र के लिए अभ्यर्थियों का पैनल आयोग की ओर से विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराया गया है। इसी आधार पर नियुक्ति प्रक्रिया के लिए काउंसिलिंग कराई गई। इसके बाद सहायक प्राध्यापकों को विश्वविद्यालय स्तर से कालेजों में खाली पड़े पदों पर पदस्थापन किया गया है। कई कालेजों में शिक्षकों की कमी के कारण छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कालेजों में अर्थशास्त्र के एक भी शिक्षक नहीं होने के कारण वहां कक्षाएं बाधित हो रही थीं। दूसरी ओर विश्वविद्यालय की ओर से पिछले दिनों गणित और उर्दू विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए काउंसिलिंग कराई गई है। इसके बाद कालेजों में खाली पड़े पदों पर गणित के शिक्षकों का पदस्थापन किया जाएगा। इससे पहले दर्शनशास्त्र, बांग्ला और मनोविज्ञान में शिक्षकों का पदस्थापन किया जा चुका है। आयोग की ओर से लगातार अभ्यर्थियों के चयन के लिए इंटरव्यू समेत अन्य प्रक्रिया चल रही है।

विश्वविद्यालयों के लिए तैयार होगा एक समान अवकाश का कैलेंडर

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के लिए एक समान छुट्टी कैलेंडर तैयार होगा। इससे सभी विश्वविद्यालयों में छुट्टियों में एकरूपता स्थापित करने में मदद मिलेगी। राजभवन ने इसके लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है। राजभवन की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर विश्वविद्यालयों को इसकी जानकारी दी गई है। समिति में तीन विश्वविद्यालयों के कुलपति को शामिल किया गया है। इसमें वीर कुंवर सिंह आरा विश्वविद्यालय, टीएमबीयू भागलपुर और कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति हैं। एक समान अवकाश कैलेंडर 2025 के लिए तैयार कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इसे अगले शैक्षणिक सत्र के लिए तैयार किया जा रहा है। कैलेंडर बनने के बाद इस पर राजभवन की मंजूरी के बाद इसे जारी किया जाएगा।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 31.10.2024, PAGE-04

छह जिलों के कालेजों में अर्थशास्त्र के 52 असिस्टेंट प्रोफेसर का हुई पदस्थापना

विश्वविद्यालय की ओर से अधिसूचना जारी शिक्षक 12 से 15 नवंबर तक योगदान की रिपोर्ट जमा कराएंगे

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के छह जिलों के एक दर्जन से अधिक कालेजों में अर्थशास्त्र के 52 असिस्टेंट प्रोफेसर का पदस्थापन किया गया है. विश्वविद्यालय की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गयी है. रजिस्ट्रार डॉ अपराजिता कृष्णा की ओर से जारी अधिसूचना में बताया गया है कि नये शिक्षकों को रजिस्ट्रार कार्यालय में अपने

योगदान की रिपोर्ट जमा करनी होगी. सभी शिक्षक छठ के बाद आवंटित संस्थानों में योगदान देंगे. इसके लिए उन्हें पंद्रह दिनों का समय दिया गया है. शिक्षक 12 से 15 नवंबर तक योगदान की रिपोर्ट जमा कराएंगे. बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की अनुशंसा के आधार पर विश्वविद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है. अर्थशास्त्र के लिए अभ्यर्थियों का पैनल आयोग की ओर से विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराया गया है. इसी आधार पर नियुक्ति प्रक्रिया के लिए काउंसेलिंग करायी गयी. इसके बाद सहायक प्राध्यापकों को विश्वविद्यालय स्तर से कालेजों में खाली पड़े पदों पर पदस्थापन किया गया है. कई कालेजों में शिक्षकों की कमी के कारण छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. कालेजों में अर्थशास्त्र के एक भी शिक्षक नहीं होने के कारण वहां कक्षाएं बाधित हो रही थी. बता दें कि हाल के दिनों में बिहार विश्वविद्यालय के कालेजों में विभिन्न विषयों में शिक्षकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है. दूसरी ओर यदि निर्धारित समय सीमा में नये शिक्षक अपने योगदान की रिपोर्ट रजिस्ट्रार कार्यालय में उपलब्ध नहीं कराते हैं, तो उनकी नियुक्ति को रद्द कर दिया जायेगा.

एक समान छुट्टी का कैलेंडर होगा तय, अधिसूचना जारी

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

सूबे के सभी विश्वविद्यालयों के लिए एक समान छुट्टी कैलेंडर तैयार होगा. राजभवन की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर विश्वविद्यालयों को इसकी जानकारी दी गयी है. राजभवन ने इसके लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है. समिति में तीन विश्वविद्यालयों के कुलपति को शामिल किया गया है. इसमें वीर कुंवर सिंह आरा विश्वविद्यालय, टीएमबीयू भागलपुर और कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति को शामिल किया गया है. एक समान अवकाश कैलेंडर वर्ष- 2025 के लिए तैयार कराया जा रहा है. जानकारी के अनुसार इसे अगले शैक्षणिक सत्र के लिए तैयार किया जा रहा है. कैलेंडर बनने और इस पर राजभवन की मंजूरी के बाद ही इसे जारी किया जायेगा. इससे सभी विश्वविद्यालयों में छुट्टियों में एकरूपता स्थापित करने में मदद मिलेगी.